डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 157 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 19 मार्च 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

गुरु एक्सप्रेस में

ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

इस अधूरेपन को भी दूर करने का रास्ता खोलिए माई लॉर्ड

देख/पढ और समझकर एक अधूरेपन का अहसास हो रहा है, बल्कि कचोट रहा है। वह यह कि चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक बताने वाली न्यायिक व्यवस्था की तरफ से यह संकेत बिलकुल नहीं मिला कि आखिर इस सब के प्रत्युत्तर में सुधार कैसे किया जाए? निश्चित ही यह माननीय अदालत का काम नहीं है। लेकिन, जब आप मणिपुर सहित उस तरह के अनेक मामलों को लेकर स्वत: संज्ञान लेते हुए 'क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए' जैसी टिप्पणी करते हैं, तो फिर यह क्यों नहीं कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की 'काला धन' वाली 'विवशता' से लेकर चुनावी बॉन्ड वाली जटिलता के जवाब में आपका भी कोई सुझाव हो?

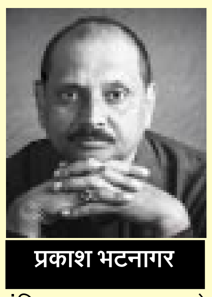

प्रकाश भटनागर

बेशक आप सुप्रीम हैं और अपने अधिकार से संविधान प्रदत्त सम्मान के अधिकारी हैं। किंतु क्या शक्ति संपन्न होना केवल इस बात तक सीमित रह जाए कि किसी बैंक को 'हम अभी जिन्दा हैं' वाली शैली में डांट-डपटकर यह दिखा जाए कि 'केवल हम ही जिंदा हैं।' क्यों नहीं ये पूछा जाता कि नाम मात्र के अस्तित्व वाले दलों को भी उनकी क्षमता के हिसाब से बहुत अधिक चंदा कैसे मिल गया? फिर, आप उद्योगपति या पूंजीपति के नाम उजागर करने तक ही सीमित हैं तो एक बात से आप भी इनकार नहीं कर सकते। व्यापार जगत वह है, जहां छोटे से छोटा व्यक्ति 'मुनाफे में चार पैसा मिल जाए' से लेकर इसी स्थान का शीर्ष पर बैठा संस्थान 'वह चार पैसा और उससे जुड़े यार भी मिलते चले जाएं' वाली मानसिकता से ग्रस्त रहता है।

राजनीति में साम, दाम, दंड, भेद सब जायज है। क्या इस मोदी सरकार से पहले सत्ता के दुरुपयोग के उदाहरण नहीं हैं। अभी भी राजनीतिक दलों को जो चंदा मिला है, उसमें सत्तारूढ़ दल को पांच साल में जितना चंदा मिला है, उससे ज्यादा तो विपक्षी दलों के खाते में जमा हुआ है। आखिर विपक्षी दल भले ही केन्द्र की सत्ता से बाहर हैं, लेकिन राज्यों में तो उनकी सरकारें हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस को भी तो दूसरे और तीसरे क्रम पर ये चंदा इसलिए ही मिला है क्योंकि राज्यों की सरकार में इनकी भी हिस्सेदारी है। हमाम के सब नंगों के बीच धुर दो विरोधियों की तारीफ की जा सकती है। एक कम्युनिस्ट पार्टियां, जिन्होंने नैतिकता के नाम पर चंदा नहीं बांड के माध्यम से चंदा नहीं लिया। दूसरा सत्तारूढ़ दल भाजपा, क्योंकि जो भी चंदा मिला है वो सीधे पार्टी के खाते में गया ना कि मोदी या शाह के परिवार से जुड़े किसी फाउंडेशन में। समझने के लिए इशारा काफी है। नैतिकता के आधार पर चंदा नहीं लेने वाले कम्युनिस्ट भी अपने बचे खुचे सीमित जनाधार को बचाने के लिए चुनाव में खर्चा नहीं करते होंगे, यह कहना तो मुश्किल है। इसलिए जाहिर है उनका तरीका दूसरा होगा।

तो इस सबके बीच क्या यह तय करने का कोई पैमाना है जिससे 'चार पैसा' वाले से लेकर 'चार पैसा और यार' वाले द्वारा किसी राजनीतिक दल के लिए मन या धन से दिए गए समर्थन के बीच एक स्पष्ट अंतर रेखा खींची जा सके? क्या साहेबान अपने-अपने रसूख वाली रेखा से नीचे जाकर उस मलिन बस्ती में जाने का दम दिखा सकेंगे, जहां आज भी मतदान के ठीक पहले-पहले मताधिकार लाल-गुलाबी कलर के द्रव्य से भरी बोतल या यह ऐसे ही रंग-बिरंगे स्त्री परिधानों के लालच के आगे अपना दम तोड़ देता है? या फिर नगद हजार पांच सौ में अपने वोट का सौदा कर लेता है। दरअसल समस्या वह नहीं है, जो दिखाई जा रही है। समस्या यह कि हम मस्सा काट रहे हैं और यह देखने से आंख मूंद ले रहे हैं कि उस मस्से के फिर न उठ आने के लिए खत्म की जाने वाले जड़ कहां है। आज आपने चुनावी बॉन्ड पर रोक लगा दी। स्वागत योग्य कदम है। आपको साधुवाद। कोटिश: धन्यवाद। लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि आप लोकतंत्र की दुश्मन उस इमारत के केवल एक हिस्से को कमजोर कर रहे हैं, जिस इमारत के कर्ताधर्ता उन रोशनदान को खोलने का रास्ता बहुत अच्छे से जानते हैं, जहां से आपकी इन कोशिशों की हवा एक झटके में निर्गम की तरफ जाने में मजबूर हो जाती है।

एक छोटा, लेकिन सच्चा उदाहरण है। एक उच्च शिक्षा संस्थान में एक बहुत ही कड़क अफसर आ गए। उन्होंने हर गलत काम पर रोक लगाने का दावा किया। मामला काफी हद तक सच भी था। फिर एक दिन एक कॉलेज संचालक उन अफसर से मिलने आया। अफसर ने उससे पूछा, 'अब सब ठीक है?' जवाब आया, 'सब ठीक है, दिक्कत केवल यह है कि आपके पहले तक जिस गलत काम को करवाने के हम सौ रुपए देते थे, आज उसी के दो सौ रुपए देते हैं, लेकिन काम हो रहा है।' ऐसा इसलिए कि उन कड़क अफसर के पास भी सुधार का कोई विचार नहीं था। निसंदेह, सर्वोच्च न्यायालय बहुत जागरूक और जानकार हैं। उम्मीद करना चाहिए कि वह बीमारी का सिर्फ तात्कालिक इलाज ना करें बल्कि देश के राजनीतिक दलों को एक पारदर्शी और कम खर्चीली चुनाव व्यवस्था का रास्ता चुनने के लिए विवश करें। तभी सही मायने में वास्तविक चुनावी सुधार सामने आ सकेगा। अभी तो हजारो करोड़ों रुपए खर्च करके जो चुनाव हो रहे हैं, उसमें राजनीतिक दलों के पास धन उगाने के ऐसे ही तरीके रहेंगे जिसमें एक हाथ से लें और दूसरे हाथ से दें वाली व्यवस्था कायम रहेगी।

जोधपुर-इंदौर ट्रेन: दो साल में सात सीटिंग कोच बंद

पांच गुना अधिक किराया वाले एसी कोच 5 से बढ़कर 7 हुए

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सरकार ने रेलवे को भी कमाई का जरिया बना लिया है। जबकि एक समय इसे सेवा का नाम दिया जाता था। इसका उदाहरण है जोधपुर-इंदौर ट्रेन। रेलवे ने इसमें लगने वाले 7 सीटिंग कोच को धीरे-धीरे खत्म करते हुए थर्ड एसी के कोच बढ़ा दिए। जानकारी के अनुसार सीटिंग कोच की उपयोगिता प्रतिशत 200 से 347 रही है। वहीं स्लीपर कोच का उपयोगिता प्रतिशत 113 से 150 तक है। रेलवे ने सीटिंग कोच खत्म करते हुए 25 से 82 उपयोगिता प्रतिशत वाले थर्ड एसी के कोच बढ़ा दिए। इससे जनता को मजबूरी में 4 गुना से ज्यादा किराया देना पड़ रहा है। क्षेत्र की जनता रेलवे से वापस सीटिंग कोच की सुविधा शुरू करने की मांग कर रही है।

[चार गुना से ज्यादा किराया देने को मजबूर लोग]

पहले 15 रुपए अतिरिक्त में मिल जाती थी सीट...

एक रिपोर्ट के अनुसार देश में रेलवे में 90 फीसदी जनता सामान्य व स्लीपर कोच में सफर करती है। इसके बाद भी इस वर्ग को अनदेखा कर व्यावसायीकरण बढ़ाया जा रहा है। रेलवे का नियम है कि दोपहर में यात्री बैठकर ही सफर करेंगे, केवल रात्रि में सो कर यात्रा कर सकते हैं। जोधपुर-इंदौर व इंदौर-जोधपुर दिन में चलने वाली ट्रेन है। इंदौर से जोधपुर व जोधपुर से इंदौर आने के लिए हर साल 7 - 8 लाख लोग यात्रा करते हैं। दो साल पहले तक इस ट्रेन में रेलवे द्वारा 7 सीटिंग कोच संचालित किए जा रहे थे। इसमें यात्री को किराये से 15 रुपए अतिरिक्त देने पर सीट मिल जाती थी।

अब यह है स्थिति...

जोधपुर-इंदौर ट्रेन में दो साल पहले (2021- 22) तक सीटिंग कोच में आक्यूपेंसी लेवल (उपयोगिता प्रतिशत) 231 से 347 तक रहा है। यानी 100 सीट के लिए 347 लोगों ने प्रयास किया। इसी दौरान ट्रेन में 5 थर्ड एसी व 5 स्लीपर के कोच थे। स्लीपर में आक्यूपेंसी लेवल 138 से 203 प्रतिशत तक रहा। थर्ड एसी का आक्यूपेंसी लेवल 24 से 99 फीसदी तक ही रहा। यानी तब भी थर्ड एसी कोच खाली जाते थे व सीटिंग की मांग सबसे अधिक थी। रेलवे ने 2022-23 में दो सीटिंग कोच कम करते हुए थर्ड एसी कोच बढ़ा दिए। इस साल थर्ड एसी का आक्यूपेंसी लेवल 8 से 84 फीसदी ही रहा। रेलवे ने 8 से 10 माह पूर्व इन ट्रेनों से सीटिंग कोच खत्म करते हुए थर्ड एसी कोच बढ़ा दिए जबकि स्लीपर कोच की संख्या वही है। 2023 में इसी ट्रेन में स्लीपर कोच में आक्यूपेंसी लेवल 129 से 147 फीसदी रहा, जबकि थर्ड एसी का उपयोगिता प्रतिशत 25 से 76 फीसदी ही है। इसके बाद भी रेलवे सीटिंग की व्यवस्था खत्म करते हुए थर्ड एसी के कोच चला रही है। स्लीपर कोच की संख्या भी नहीं बढ़ाई।

इस तरह जनता की जेब पर डाला जा रहा डाका...

जोधपुर-इंदौर एक्सप्रेस ट्रेन है। इसका सामान्य किराया जोधपुर से मंदसौर आने का 90 रुपए है। ट्रेन में सीटिंग कोच होने पर यात्री 105 रुपए में आराम से सीट पर बैठकर यात्रा कर सकता था। स्लीपर में जोधपुर से नीमच का किराया 170 रुपए है। रेलवे ने सीटिंग कोच बंद कर थर्ड एसी कोच बढ़ा दिए। इसके लिए एक यात्री को जोधपुर से नीमच आने के लिए 495 रुपए किराया देना पड़ रहा है। अभी भी इस ट्रेन में स्लीपर कोच 5 ही हैं। इसकी भराव क्षमता 129 से 147 फीसदी है। ऐसे में मजबूरी में यात्रियों को स्लीपर की जगह थर्ड एसी में 495 रुपए किराया देकर सफर करना पड़ रहा है।

महिला कोच के नाम पर कोई जवाब नहीं...

जानकारी में पता चला कि ट्रेन में दिव्यांग कोच है। लेकिन, महिला कोच नहीं है। इस तरह रेलवे धीरे-धीरे गरीबों की पहुंच से दूर होकर केवल अमीरों की सेवा बनती जा रही है।

युवा एवं प्रौढ़ ने की आत्महत्या

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में दो अलग- अलग स्थानों पर एक नाबालिग और एक प्रौढ़ व्यक्ति ने जहर का सेवन कर लिया। जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अनीता पिता अर्जुन लाल उम्र 15 वर्ष जाति अहिरवार निवासी जय प्रकाश नगर जीरन की रहने वाली कक्षा 9वीं की छात्रा थी। जिसने रविवार को अज्ञात कारणों के चलते घर में ही जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद तत्काल परिजन उसे निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जिले के मनासा थाना क्षेत्र के भाटखेड़ी नाका क्षेत्र के रहने वाले 45 वर्षीय लालचंद पिता उदय राम भोई ने अपने घर में दुपट्टे से फांसी का फंदा बनाकर जीवन लीला को समाप्त कर लिया। आत्महत्या की जानकारी परिजनों को सुबह लगी, जिस पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची मनासा थाना पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिए मनासा के सरकारी अस्पताल भेजा। जहां परिजनों की मौजूदगी में सोमवार को पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध डोडाचूरा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

सुवासरा, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने मुखबीर सूचना पर पंजाब निवासी दो आरोपियों के कब्जे से 30 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है।

सुवासरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति बैग में अवैध डोडाचुरा भरकर पंजाब की ओर जाने वाले है। मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने टीम बनाकर रेलवे पटरी के पार सुवासरा की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर घेराबंदी कर इकबाल सिंह उम्र 40 साल निवासी घटीआवली बोदना थाना अर्निवाल जिला फाजिल्का पंजाब और जसविंदर उम्र 30 साल निवासी घटीआवली बोदना थाना अर्निवाल जिला फाजिल्का पंजाब को गिरफ्तार कर दोनों के कब्जे वाले अलग-अलग बेग से द्भन्द्भ किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया। जब्त मादक पदार्थ की कीमत द्भन्द्भ हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी अवैध मादक पदार्थ कहां से लेकर आए थे और कहां ले जा रहे थे। मामले में पुलिस आरोपियो से पूछताछ कर रही है। आरोपियो के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में एनडीपीएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

नीमच पुलिस ने पकड़ा डेढ़ क्विंटल डोडाचूरा...

नीमच कैंट पुलिस ने मुखबीर सूचना पर कार्रवाई करते हुए भरभडिया फंटे पर एक कार से 160 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

कैंट टीआई सौरभ शर्मा ने बताया कि टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि आरोपी मंदसौर से कार में डोडाचूरा लेकर राजस्थान तरफ जाने वाले है। पुलिस ने भरभडि?ा फंटे से सिल्वर कार नंबर एमपी 14 जेडसी 3910 को रोककर तलाशी ली। कार से 160 किलो डोडाचूरा बरामद किया। पूछताछ में ड्राइवर ने अपना नाम दिलीप सिंह उम्र 27 साल पिता भारत सिंह बोराना निवासी ग्राम तुरकिया थाना नारायणगढ जिला मंदसौर बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

मंदसौर से विपीन जैन या दिलीप गुर्जर अथवा नंदू पटेल होंगे कांग्रेस उम्मीदवार

कांग्रेस पार्टी छह विधायकों को मैदान में उतारने की तैयारी में

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद आज 19 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी। इस बैठक में मध्य प्रदेश की बाकी बची 18 सीटों पर चेहरे तय हो जाएंगे। कांग्रेस हेडक्वार्टर में होने वाली बैठक में एमपी कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल, सीईसी मेंबर ओमकार सिंह मरकाम शामिल होंगे। बता दे की मंदसौर संसदीय क्षेत्र को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। यहां से विधायक विपीन जैन, युवा नेता सोमिल नाहटा, नंदकिशोर पटेल, डीपी धाकड, पूर्व विधायक दिलीप गुर्जर जैसे नाम सामने आए है। लेकिन, अब कांग्रेस की रणनीति के तहत प्रदेश में छह विधायकों को लोस में उतारने की तैयारी हो रही है। इसमें मंदसौर विधायक विपीन जैन का नाम भी सामने आ रहा है। सूत्रों के अनुसार बीजेपी के राम मंदिर कार्ड के सामने कांग्रेस मजबूती से चुनाव लडने के लिए विधायकों को चुनाव में उतार सकती है। मुरैना लोकसभा से जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, दमोह सीट से बड़ा मलहरा विधायक रामसिया भारती, विदिशा से सिलवानी विधायक देवेंद्र पटेल, जबलपुर से लखन घनघोरिया, शहडोल से पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल मार्को जबकि मंदसौर में विधायक विपिन जैन को उतारा जा सकता है।

बड़े नेता नहीं लडना चाहते हैं चुनाव...

सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान एमपी के सीनियर लीडर्स को चुनाव लड़ाने को कह रहा है। हालांकि, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, सज्जन सिंह वर्मा सहित तमाम नेता चुनाव लडने के लिए राजी नहीं हैं। ऐसे में अब कांग्रेस युवाओं पर दांव लगा सकती है।

महिला उम्मीदवारों के चयन की चुनौती...

बीजेपी ने एमपी की 29 में से 6 सीटों पर महिलाओं को टिकट दिए हैं। पहली सूची में चार और दूसरी लिस्ट में दो महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। अब कांग्रेस के सामने जिताऊमहिलाओं का चयन करना चुनौती बन रहा है। बालाघाट, रीवा, और दमोह सीटपर ही मजबूत महिला उम्मीदवार मिली हैं। बीजेपी के महिला आरक्षण बिल और 6 महिला उम्मीदवारों के सामने कांग्रेस को बराबरी से महिलाओं को उतारने में मशक्कत करनी पड़ रही है।

एमपी बोर्ड: 10वीं-12वीं में बोनस अंक

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को सबसे अहम परीक्षा माना जाता है। लेकिन, इनमें भी लापरवाही की बात सामने आती रहती है। एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ है। इन अहम परीक्षाओं में फिर गफलत हुई है। बोर्ड की परीक्षाओं में उत्तर गलत दिए गए हैं। इस गलती के बाद बोर्ड ने परीक्षार्थियों को बोनस नंबर देने की घोषणा की है।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल यानि एमपी बोर्ड की 12 वीं परीक्षा में केमेस्ट्री के स्टूडेंट को बोनस नंबर मिलेंगे। इन परीक्षार्थियों को दो बोनस नंबर दिए जाएंगे। 12वीं परीक्षा में गणित के पेपर में भी चार सवालों के उत्तर गलत थे। इसका भी निराकरण किया गया है। 12 वीं में बायोलाजी, संस्कृत, इकोनामिक्स, व्यवसाय अध्ययन, उच्च गणित, कृषि के लिए उपयोगी विज्ञान और फसल उत्पाद एवं बागवानी विषयों के पेपर में भी उत्तर गलत थे। इसी प्रकार एमपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में भी कई गफलतें सामने आई हैं। हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में गणित और अंग्रेजी के पेपर में उत्तर गलत थे। बोर्ड ने इन पेपरों का मूल्यांकन कर रहे शिक्षकों को त्रुटि सुधार कर कॉपी जांचने के निर्देश दिए हैं। मूल्यांकन कार्य यानि कॉपी जांचने का काम शुरु होने से पहले बोर्ड की एक विशेष कमेटी ने सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों की गहराई से जांच की थी। इस दौरान कई विषयों के पेपर में गलती पाई गई। 12वीं के केमेस्ट्री के पेपर में दो सवाल गलत मिले। पाठ्यक्रम से बाहर का प्रश्न पूछा गया, जिसके कारण एक बोनस अंक दिया जा रहा है। इसमें सेट ए बी, सी और डी यानि सभी परीक्षार्थियों को एक नंबर बोनस मिलेगा। इसी प्रकार एक और गलत प्रश्न के लिए भी स्टूडेंट को एक बोनस अंक मिलेगा।

हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट ने बढ़ाई मुसीबत

आचार संहिता में शुरु हो गई चालानी कार्रवाई

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट पर वाहन मालिकों की झंझटें खत्म ही नहीं हो रहीं हैं। इस माह की शुरुआत में सरकार ने वाहन मालिकों को बड़ी राहत दे दी थी। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए वाहन मालिकों को बड़ी सुविधा देते हुए सरकार ने इसके लिए अंतिम तारीख बढ़ा दी थी। इससे करीब 50 लाख वाहन मालिकों को कुछ सुकून मिला था। लेकिन, एक बार फिर उनकी मुसीबत बढ़ गई है।

मंदसौर में अभी भी अधिकांश वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग पाई है। इधर देशभर की तरह एमपी में भी लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो गई है। इसी के साथ पुलिस ने वाहनों की चेकिंग शुरु कर दी है और बिना एचएसआरपी वाले वाहनों को पकड़ा भी जाने लगा है। इतना ही नहीं, ऐसे वाहन चालकों से भारी भरकम जुर्माना भी वसूला जा रहा है। ऐसे में मंदसौर के लोगों के लिए भी परेशानी का सबब बन रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में वाहन मालिकों को नई नंबर प्लेट लगवाने के निर्देश हैं। प्रदेश में 1 अप्रैल 2019 से पूर्व पंजीकृत सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाई जानी है। हाईकोर्ट ने 15 जनवरी तक सभी वाहनों में नई नंबर प्लेट लगवाने की समय सीमा तय की थी।

नए आदेश के अनुसार 1 अप्रेल 2019 के बाद रजिस्टर्ड वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की प्रक्रिया अब 31 मार्च तक संबंधित वाहन शोरूम पर जाकर लगवाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। राज्य सरकार ने इस मामले में हलफनामा देकर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय से और समय देने की मांग की थी। परिवहन विभाग ने आदेश में साफ किया कि 31 मार्च तक श्रेणी में शामिल वाहनों के नंबर प्लेट संबंधित वाहन शोरूम पर जाकर लगवाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। हालांकि वाहन मालिकों की दिक्कत दोबारा शुरु हो गई। प्रदेश के अन्य सभी जिलों में वाहन चालकों पर ये कार्रवाई की जा रही है। चेकिंग के दौरान वाहनों में नई हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं पाए जाने पर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है। ऐसे वाहन चालकों से जुर्माना भी वसूला जा रहा है। कानूनन नई नंबर प्लेट नहीं लगाने पर 500 रुपए जुर्माना का प्रावधान है।

जिस देश के बच्चे भूखे होंगे, जवानों की दशा क्या होगी...?

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दुनिया भर के बच्चों की सेहत पर किए गए सर्वे में सभी देशों के आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा ऐसे अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा कराए जाते रहे हैं। हाल ही में फरवरी - मार्च में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट भी जारी की गई है। इसमें भारतीय बच्चों, उनकी माता को मिलने वाला भोजन विश्व स्वास्थ्य मापदंडों पर 24 घंटे में शून्य भोजन प्राप्त करने वाला बताया गया है, जो चिंता जनक होकर गंभीर चर्चा का विषय बन गया है।

भारत में यह सर्वे 59 लाख बच्चों पर किया गया है। विश्व की 800 करोड़ से अधिक आबादी में से 350 करोड़ लोगों को पोषक भोजन भी नसीब नहीं होता है। दुनिया में 42 प्रतिशत को तो भारत में 74 प्रतिशत लोगों को पोष्टिक खाना नसीब नहीं होता है। भारत के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन इस विभाग के आंकड़े दर्शाते हैं कि 6 माह से 23 महीने के बीच के नवजात 59 लाख बच्चों का सर्वे किया गया था। जिसकी रिपोर्ट अनुसार उत्तर प्रदेश में 27. 4 छत्तीसगढ़ में 24.6 झारखंड में 21 राजस्थान में 19.8 असम में 19.4 प्रतिशत बच्चों को हेल्दी फूड नहीं मिलता है जो की 74 प्रतिशत होता है। फूड एंड एग्रीकल्चर विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यह आंकड़े भारतीय बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्ट दर्शाती है। विश्व भर में बच्चों पर किए गए सर्वे अनुसार 24 घंटे में जिन बच्चों को पोषक भोजन नहीं मिलता है, उनमें भारत तीसरे नंबर पर आता है। यहां 19.3 प्रतिशत बच्चों को 24 घंटे में खाने को हेल्दी फूड उपलब्ध नहीं है। जबकि, बांग्लादेश में 5.3 पाकिस्तान में 9.9 इथियोपिया में 4 प्रतिशत बच्चों को हेल्दी फूड नही मिल पाता है।

चन्द्रमोहन भगत

जिस देश के बच्चों को अगर भरपेट पोष्टिक भोजन नहीं मिलेगा तब इनके जवानों के स्वास्थ्य इंडेक्स अनुपात की दशा का अंदाज लगाया जा सकता है कि इनकी शारीरिक क्षमता कैसी और किस हैसियत की होगी। इस सर्वे अनुसार 16.6 प्रतिशत आबादी कुपोषित है। जबकि, 58 प्रतिशत बच्चों, महिलाओं में खून की कमी पाई गई है। इन कमियों के चलते 35 प्रतिशत बच्चों का शारीरिक विकास नही हो पाता है। किसी का वजन कम तो किसी में खून की कमी और अन्य शारीरिक विकास नही हो पाता हैं।

ऐसे सभी युवाओं की क्षमता औसत से बहुत कम निकलती है इन बच्चों को बढने के लिए जितनी कैलोरी विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है। उतना नहीं मिलता है। मिलेगा भी कैसे? देश की आधी आबादी 70 करोड़ अर्थात 17.50 करोड़ परिवारों की है। जिनकी प्रतिमाह आय 10 हजार रूपये है, यानी 350 रुपए प्रतिदिन। जबकि, प्रति व्यक्ति एक समय के पौष्टिक भोजन पर 235 रुपए का खर्च आता है। यह आंकड़े आरबीआई के हैं। जाहिर है कि भारत की आधी आबादी पौष्टिक आहार पाने से बहुत दूर है। इनमें से भी आधी आबादी के परिवार तो मात्र 6 हजार रुपए प्रति माह पर गुजारा करने को मजबूर हैं। ऐसे में बच्चों को पौष्टिक आहार तो दूर 24 घंटे में 1 लीटर दूध तक उपलब्ध नहीं करा पाते हैं। जबकि 6 महीने से 2 साल तक के बच्चों को प्रतिदिन 2 लीटर दूध की उपलब्धता होना चाहिए स्वस्थ रहने के लिए। जाहिर है 10 हजार रुपए प्रतिमाह आय वाले परिवार भी प्रतिदिन 2 लीटर दूध के लिए 100 रुपए खर्च नहीं कर पाते है।

यह आंकड़े भारतीय समाज को चिंता में डालने के लिए काफी है और यह स्थापित मान्यता प्राप्त संस्थाओं के सर्वे के नतीजे हैं। भारत में बहुत सी सामाजिक संस्थाएं गरीबों को भोजन कराने के लिए काम करती देखी जाती है। जहां सिर्फ भोजन से भूख मिटाई जाती है। पौष्टिक आहार के लिए भोजन में खनिज, विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम आदि का शामिल होना ही गुणवत्ता निर्धारित करता है। जिस देश की मातृशक्ति खून की कमी से जूझ रही हो, नवजात बच्चा भूखा रहकर नवयुवक बन रहा हो। उस देश के जवानों की शारीरिक क्षमता, स्वस्थ व्यक्ति की औसत मापदंड से कोसों दूर होगी ! ऐसा ही दौर कुपोषण का भारतीय नागरिकों पर लंबे समय तक चलेगा तो भारत स्वस्थ मजबूत और दुश्मनों से मुकाबला करने लायक रह पाएगा..?

विचार-मंथन

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती

चुनाव नजदीक आने पर सरकारों की तरफ से लोकलुभावन योजनाओं-परियोजनाओं के अनावरण, वस्तुओं की कीमतों में कमी आदि की घोषणाएं करना कोई नई बात नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपए प्रति लीटर की कटौती भी इसी रणनीति का हिस्सा कही जा सकती है। इस पर स्वाभाविक ही विपक्षी दल तंज कस रहे हैं। मगर सरकार की नजर में शायद यह सिर्फ संयोग की बात हो। पिछले दो वर्ष से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। हालांकि इस बीच कई बार कच्चे तेल की कीमतों में उतार देखा गया, उसके मद्देनजर मांग की जाती रही कि पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें में कटौती की जानी चाहिए। मगर तब सरकार ने तर्क दिया था कि तेल के दाम में कटौती इसलिए नहीं की जाएगी, ताकि इससे तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई हो सके। पहले के नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव किया जाता था। मगर सरकार ने इस तर्क के साथ तेल की कीमतों का निर्धारण खुद से करना शुरू कर दिया था कि कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर तेल कंपनियों को जो कमाई होगी, उससे उन्हें अपना तेल का भंडार बढ़ाने में मदद मिलेगी। तेल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर भी पड़ता है। इससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, कृषि कार्य में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें कई बार काबू से बाहर चली जाती हैं। इसलिए महंगाई पर काबू पाने के लिए तेल की खुदरा कीमतें संतुलित करने के सुझाव दिए जाते हैं। मगर विचित्र है कि खुदरा महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाने के बावजूद सरकार ने तेल की कीमतों को कम करने पर विचार नहीं किया। सबसे अधिक आरोप तेल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को लेकर उठता रहा है। खुदरा तेल की कीमतें इसलिए ऊंचे स्तर तक पहुंच गई हैं कि इस पर राज्य और केंद्र सरकार ऊंची दर से उत्पाद शुल्क वसूलती हैं। केंद्र सरकार एकमुश्त प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लेती है, जिसे कम करने की मांग अनेक मौकों पर उठाई जाती रही, मगर एकाध मौकों पर उसमें कटौती की गई तो वह भी चुनाव का मौका था। मसलन, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के वक्त केंद्र सरकार ने अपने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। जब केंद्रीय उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी यही तर्क दिया गया कि उस शुल्क का उपयोग तेल भंडारण बढ़ाने में किया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में तेल की कीमतों पर काबू पाया जा सके। मगर वह भंडारण कितना हो पाया, इसका भी कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इनकी कीमतें बढ़ने से उनके मासिक खर्च में बढ़ोतरी हो जाती है। सरकार के ताजा फैसले से निस्संदेह आम लोगों को कुछ राहत मिलेगी, मगर यह कटौती पिछली बढ़ोतरियों की तुलना में इतनी कम है, कि उनकी जेब पर बहुत सकारात्मक असर नहीं पड़ने वाला। ज्यादातर राज्यों में खुदरा पेट्रोल-डीजल की कीमतें सौ रुपए प्रति लीटर के पार या करीब पहुंच चुकी हैं। उसमें दो रुपए की कटौती ऊंट के मुंह में जीरा जैसा ही साबित होगा। इसलिए, अगर सरकार ने चुनाव के मद्देनजर यह फैसला किया है, तो शायद ही उसे इसका कोई बड़ा लाभ मिले।

संघीय ढांचे और बहुदलीय लोकतंत्र के लिए खतरा है एक साथ चुनाव

संजय तिवारी

एक देश एक चुनाव के पक्षधर लोगों के पास इसके समर्थन में कहने के लिए कुछ खास नहीं है, सिवाय इस बात के कि ऐसा होने पर बहुत सारे संसाधन और समय की बचत होगी। या फिर ऐसा होने से देश में पांच साल तक राजनीतिक स्थिरता का माहौल रहेगा। एक देश एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित समिति ने भी राष्ट्रपति को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कुछ खास तर्क प्रस्तुत नहीं किया है। समिति ने कुछ संवैधानिक संशोधन का सुझाव जरूर दिया है ताकि देश में एक साथ चुनाव संभव हो सके। लेकिन ये संवैधानिक संशोधन अगर होते हैं तो सीधे तौर पर भारत के बहुदलीय लोकतंत्र और संघीय ढांचे को चुनौती पेश कर देंगे। मसलन कमेटी ने सुझाव दिया है कि एक देश एक चुनाव वाली व्यवस्था लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 और 356 में संशोधन करना होगा। संविधान के ये सभी अनुच्छेद सामान्यतया संसद और विधानसभाओं के कार्यकाल, राष्ट्रपति और राज्यपाल के संबंधित अधिकार और राष्ट्रपति शासन से संबंधित हैं। स्वाभाविक है कि अगर एक देश एक चुनाव के फार्मूले पर चलना है तो संविधान के इन अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा। यही वो प्रावधान हैं जो तकनीकी रूप से देश के बहुदलीय लोकतंत्र और संघीय ढांचे का बचाव करते हैं। जैसे अनुच्छेद 83 में संसद का कार्यकाल 5 वर्ष के लिए निर्धारित किया गया है। इसी में राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल लगाने का भी प्रावधान है। लेकिन आपातकाल किसी भी परिस्थिति में एक वर्ष से अधिक नहीं हो सकता। मतलब राष्ट्रपति किसी विषम परिस्थिति में अगर संसदीय अधिकारों को अपने हाथ में लेकर स्वयं प्रशासनिक कार्य संचालित करते हैं तो भी उन्हें एक साल के भीतर संसद को पुनः बहाल करना होगा। अगर कभी ऐसी परिस्थिति आती है कि संसद में सत्ताधारी दल अपना बहुमत खो देता है तो भी संयुक्त दलों की सरकार के जरिए पांच साल का कार्यकाल पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसी परिस्थिति नहीं बनती है तब दोबारा से आम चुनाव कराना राष्ट्रपति की मजबूरी बन जाएगा। लेकिन अगर यह संशोधन कर दिया जाए कि केन्द्र में चुनी हुई सरकार राजनीतिक अस्थिरता के कारण एक दो साल में ही गिर गयी तथा विपक्षी दलों की सरकार बना पाने की स्थिति नहीं है तो बाकी के तीन साल देश में राष्ट्रपति शासन ही रहेगा। कमोबेश यही हालात राज्यों में भी हो जाएंगे। अगर किसी राज्य में पांच साल से पहले कोई सरकार गिरती है और दूसरे दल सरकार बना पाने की स्थिति में नहीं हैं तो वहां भी शेष अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन ही रखना होगा। इसीलिए कोविंद कमेटी अनुच्छेद 172 और 174 में संशोधन का सुझाव दे रही है। ऐसा करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 356 में भी संशोधन करना होगा जो कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित है। कुछ देर के लिए मान लिया जाए कि केन्द्र में बैठी कोई सरकार ये सभी संवैधानिक संशोधन करके एक देश एक चुनाव को लागू कर देती है तब संसद की बजाय राष्ट्रपति के पास असीमित शक्तियां केन्द्रित हो जाएंगी। यह सीधे तौर पर देश में बहुदलीय लोकतंत्र की बजाय राष्ट्रपति शासन या प्रेसिडेन्ट रूल को बढ़ावा देने जैसा होगा। कानून बनाने की जो शक्ति अभी पांच साल संसद और विधानसभाओं के पास रहती है वो विषम परिस्थिति आने पर या तो राष्ट्रपति के पास केन्द्रित हो जाएगी या फिर उस शेष अवधि के लिए कानून बनाने का काम ही रुका रहेगा। यहां एक समस्या और दिखती है। जो लोग आज यह तर्क दे रहे हैं कि लगातार चुनाव से राष्ट्र के संसाधनों पर बोझ बढ़ता है वो इस बात को नहीं समझ पाते कि चुनाव लोकतंत्र को जीवंत रखते हैं। अगर मध्यावधि चुनाव की परिस्थिति कभी आती भी है तो इसे बोझ मानने की बजाय राजनीतिक कमजोरी मानना चाहिए कि वो अपने निजी स्वार्थ के लिए जनता के पैसे का दुरुपयोग करके बार बार चुनाव में चले जाते हैं। सत्तर और नब्बे का दशक छोड़ दें तो बाकी के पचास साल भारत की जनता और नेताओं ने राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है और स्थिर सरकारों को ही चुना है। लेकिन स्थिर सरकारों के साथ एक समस्या और पैदा होती है कि कोई एक दल जब लंबे समय तक शासन में रहता है तो उसके भीतर सत्ता का अहंकार और अधिनायकवादी प्रवृत्ति पनपने लगती है। ऐसी स्थिति में एक दल भले उसे चुनौती न दे सके लेकिन दलों का गठबंधन बनाकर ही ऐसे एकदलीय अधिनायकवाद को समाप्त किया जाता है। इंदिरा गांधी के आपातकाल के विरुद्ध जनता पार्टी की अगुवाई में बना गठबंधन हो या राजीव गांधी के प्रचंड बहुमत के खिलाफ वीपी सिंह की अगुवाई में बना गठबंधन हो। दोनों ही समय में कोई एक दल सत्ताधारी दल को चुनौती नहीं दे सकता था इसलिए संयुक्त रूप से मिलकर इंदिरा गांधी की अधिनायकवादी या फिर राजीव गांधी की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंका था। ऐसी परिस्थिति में मध्यावधि चुनाव जरूर हुए लेकिन वो लोकतंत्र की कमजोरी नहीं बल्कि उसकी मजबूती की निशानी थे। अगर एक देश एक चुनाव वाला नियम होता तो लोकतंत्र का ऐसा जीवंत चरित्र कभी सामने नहीं आता। परंतु इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि दोनों ही मौकों पर विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही जनसंघ/भाजपा ही आज एक देश एक चुनाव की मुखर वकालत कर रही है। एक देश एक चुनाव का एक संकट और है। वह यह कि यह भारत के संघीय ढांचे पर भी प्रहार करता है। खतरा सिर्फ चुनी हुई सरकारों को हटाकर एकसाथ चुनाव करा लेने का ही नहीं होगा। जो लोग आज चुनावी खर्चे की बात कर रहे हैं कल को वो अलग-अलग विधानसभाओं के अस्तित्व पर भी सवाल खड़ा कर सकते हैं। जब एक केन्द्रीय कानून ही पूरे देश में लागू होता है तब हर राज्य में कानून बनाने के लिए विधानसभा औचित्य पर भी सवाल उठाया जा सकता है।

जीवन विरोधाभास की सुंदरता के अलावा और कुछ नहीं है

जीवन में कई बार ऐसा समय आता है जब हम अपनी दिशा खो देते हैं। यह जानना भी बहुत दर्दनाक या भारी लग सकता है कि कहां से शुरू करें। उदाहरण के लिए, जब हम अपने जीवन को कागज पर देखते हैं, तो सोच सकते हैं कि यह बहुत अच्छा है। हम अपेक्षाकृत स्वस्थ हैं, स्थिर आय है, हमारे सिर पर छत है और मेज पर भोजन है। परिवार और दोस्त हैं, जिनके साथ हम संपर्क में रहते हैं और अगर हमें वास्तव में किसी चीज की जरूरत हो तो उन्हें पुकार सकते हैं। जैसे-जैसे दिन बीतते हैं, यह सब यांत्रिक होता चला जाता है। सब कुछ होने के बाद भी हमें लगता है अभी भी कुछ ऐसा बाकी रह गया है, जिसकी हमें तलाश है। हम खुद को एक चौराहे पर महसूस करते हैं और सोचते हैं कि अपने जीवन को किस दिशा में और कैसे आगे बढ़ाया जाए। मगर यह व्याकुलता और छटपटाहट हमें आगे का रास्ता देखने में मदद करने के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं है। जब ऐसी स्थिति में स्वयं को पाएं तो अपने आप को जांचने का यह सही समय है कि हम कहां हैं? भले ही हमें लगता है कि चीजें वास्तव में बहुत अच्छी चल रही हैं, लेकिन अगर हम केवल झांकने भर के लिए रुकेंगे तो हमें यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि वाकई कुछ कमी है। यह महत्त्वपूर्ण है कि पटरी पर रहना इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपने जीवन के बारे में अंदर से कैसा महसूस करते हैं, न कि बाहर से। और यहीं पर हमारे जीवन-मूल्य काम आते हैं। यहां मूल्यों और लक्ष्यों के बीच अंतर जानना महत्त्वपूर्ण है। लक्ष्य वे चीजें हैं जो हमारी कार्य सूची में होती हैं, ताकि हम आखिर उन्हें पार कर सकें। दूसरी ओर, मूल्य कभी हासिल नहीं होते। अगर हम नहीं जानते कि हम जिस दिशा में जा रहे हैं, वह हमारे लिए सही है या नहीं, तो हम मार्गदर्शन के लिए अपने मूल्यों की ओर देख सकते हैं। मूल्य हमारे जीवन में अर्थ भरने के लिए स्पष्टता लाकर हमें मुक्ति दिलाने में मदद करते हैं और हमें महत्वपूर्ण काम करने में मदद करते हैं, भले ही वे कठिन हों। जीवन विरोधाभास की सुंदरता के अलावा और कुछ नहीं है। कभी-कभी हम अपना जीवन उस तरह नहीं जीते हैं जैसा हम चाहते हैं, बल्कि उस तरह जीते हैं, जैसे हमसे अपेक्षा की जाती है। समाज हमें समय-सीमा के बक्से में डालने की कोशिश करता है। हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम इसमें 'फिट' होने के लिए एक निश्चित तरीके से जीएं। मगर क्या होगा अगर हम अब और 'फिट' नहीं होना चाहते? समय-सीमा सभी के लिए समान रूप से काम नहीं करती। हम सभी एक मानव-संबंधों की दुनिया में रहते हैं, कुश्ती के अखाड़े में नहीं, जहां हमें जीतने के लिए एक-दूसरे को पटखनी देनी होती है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उस व्यक्ति के रूप में विकसित होने के लिए पर्याप्त जगह है, जैसा वह बनना चाहता है। किसी को भी अपने लिए यह निर्णय न लेने दें कि हम क्या बनना चाहते हैं। अपनी खुद की धूप बनें। उस व्यापक जीवन क्षेत्र की पहचान करें जिस पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हमारे पास चुनने के लिए बहुत कुछ है। हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिकता, दोस्ती, रोमांटिक रिश्ते, काम, पर्यावरण, अपने समुदाय में योगदान आदि को महत्त्व दे सकते हैं। सूची बहुत लंबी है। यह चुनने में न उलझा जाए कि कौन-सा क्षेत्र हमारे लिए 'सबसे महत्त्वपूर्ण' है। एक क्षेत्र को महत्त्व देने का मतलब यह नहीं है कि दूसरा महत्वहीन है। लक्ष्य यथासंभव अधिक से अधिक मूल्य रखना नहीं है, बल्कि उन चीजों की पहचान करना है जो हमारे जीवन में सबसे अधिक सार्थकता लाएंगी। अब जब हमने कुछ मूल्यों को उजागर और स्पष्ट कर लिया है, तो अगला कदम उन गतिविधियों की पहचान करना होना चाहिए, जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हैं। यह याद रखने की बात है कि हम अपने मूल्यों को अपने कार्यों की सूची में नहीं रख सकते हैं, लेकिन उन कार्यों को अपने कार्यों की सूची में रख सकते हैं जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हों। रचनात्मक बनें और अपने आप को उन चीजों तक सीमित न रखें जो हम पहले से ही कर रहे हैं। हो सकता है कि हम पहले से ही अपने मूल्यों के अनुरूप कुछ (या कई) चीजें कर रहे हों। अपने मूल्यों के अनुसार जीना हमेशा आसान नहीं होता है। जितना अधिक हम अपने मूल्यों के अनुरूप व्यवहार में संलग्न होते हैं, उतना ही कम संकट, पीड़ा और अवसाद महसूस करते हैं और समग्र रूप से उतना ही बेहतर कार्य करते हैं। उन चीजों को करना भी आसान है जो कठिन या असुविधाजनक हैं। जैसे ऐसी नौकरी छोड़ना जो सुरक्षा प्रदान करती है।

भाजपा को हरियाणा में खट्टर को थोड़ा पहले ही विदा कर देना चाहिए था

मनोहर लाल खट्टर की राजनीतिक यात्रा भाजपा के एक कार्यकर्ता के तौर पर शुरू हुई थी। उसके बाद उन्होंने हरियाणा में ही पार्टी के स्थानीय स्तर के कई कार्यालयों में कार्य किया। वर्ष 2010 में पार्टी ने उन्हें नारायणगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ाया, जिसमें वे रामकिशन गुर्जर से हार गए। आमतौर पर राजनीति के क्षेत्र में आने वाले तूफानों की भविष्यवाणी करना बेहद मुश्किल कार्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक तूफानों का पुरोवाक् लिखना बहुत कम लोग ही जानते हैं... और जो जानते हैं वे तूफानों के आने पर विचलित नहीं होते, बल्कि शांत और प्रसन्न किंतु गतिशील बने रहते हैं। देखा जाए तो मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ कुछ?कुछ ऐसा ही हुआ। दरअसल, घटनाक्रम कुछ इस प्रकार आगे बढ़ा कि 11 मार्च को गुरुग्राम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भूरी-भूरी प्रशंसा की और दूसरे दिन दोपहर तक खट्टर सरकार से बाहर हो गए या कर दिए गए, जिसे जो उचित लगे उसे वही समझ लेने की यहां पूरी गुंजाइश है। गौरतलब है कि खट्टर के साथ व्यतीत किए गए अपने पुराने दिनों की याद ताजा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मनोहर लाल की प्रगतिशील मानसिकता के बारे में खुलकर बात की थी। गुरुग्राम में खट्टर के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने कहा जब दरी पर सोने का जमाना था, तब भी हम साथ थे। उस समय इनके (खट्टर के) पास एक मोटरसाइकिल थी। हम लोग उसी पर सवार होकर हरियाणा भ्रमण करते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि खट्टर मोटरसाइकिल चलाते थे और वे पीछे बैठा करते थे। हम रोहतक से निकलते थे और गुरुग्राम आकर रुकते थे। आश्चर्य होता है कि 11 मार्च को प्रधानमंत्री ने ये बातें कहीं और 12 मार्च को सुबह अचानक ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जननायक जनता पार्टी (जजपा) के बीच दरार एवं मुख्यमंत्री खट्टर के इस्तीफे की चर्चा शुरू हो गई। दृश्य मीडिया जगत् यानी टीवी के खबरों की दुनिया में यह खबर सनसनी की तरह फैली और जब तक यह अपना पूरा प्रभाव छोड़ती तब तक यह खबर अपनी अंतिम परिणति तक पहुंच चुकी थी। तात्पर्य यह कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका था। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो मुख्यमंत्री खट्टर को तो जाना ही था, बल्कि सच कहा जाए तो उन्हें थोड़ा और पहले जाना चाहिए था। इससे नई सरकार को जनता के बीच अपना फेस?ऑफ करने तथा काम के बल पर अपनी इमेज बनाने का भरपूर समय मिल सकता था। गौरतलब है कि खट्टर का दूसरा कार्यकाल इसी वर्ष अक्तूबर में पूरा होना था। जाहिर है कि अक्तूबर में हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में लगभग 69 वर्षीय थके हारे से दिखाई देने वाले सहज और सरल स्वभाव के स्वामी मनोहर लाल खट्टर के भरोसे भाजपा हरियाणा के दंगल में नहीं उतरना चाहती थी। यही नहीं, कुछ ही महीने पूर्व हरियाणा में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान मुख्यमंत्री खट्टर का ढिलाई से पेश आना भी उनकी विदाई का एक बड़ा कारण रहा है। दरअसल, सांप्रदायिक दंगे के प्रति उनके सख्त नहीं होने से सरकार की छवि धूमिल हुई थी, जो भाजपा सुप्रीमो को रास नहीं आया था। इसके अतिरिक्त खट्टर को हटाए जाने का एक प्रमुख कारण राज्य में लगभग 10 वर्षों तक सत्ता की बागडोर संभालने वाली खट्टर सरकार के विरुद्ध एंटी इंकम्बैंसी का फैक्टर भी माना जा रहा है।

मैं 2029 लोकसभा चुनाव नहीं, 2047 की तैयारी में लगा हूं: पीएम मोदी

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5179

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5178

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5179

संकेत: बाएं से दाएं

संकेत: ऊपर से नीचे

वर्ग पहेली 5178 का हल

एमपी फार्मासिस्ट एसो. प्रदेश कार्यकारिणी की वार्षिक बैठक संपन्न

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी एम पी फार्मासिस्ट एसोसिएशन प्रदेश कार्यकारिणी की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ साथ सभी जिला अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहें। बैठक का संचालन संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री हिमांशु चतुर्वेदी ने किया। स्वागत उद्बोधन प्रदेश महासचिव श्री अखिलेश त्रिपाठी ने देते हुए कहा कि फार्मासिस्ट को स्वास्थ्य विभाग की रीढ कहा जाता है इसके लिए नियमानुसार जहां दवा होगी वहां फार्मासिस्ट होना चाहिए इसकी चिंता स्वयं फार्मासिस्ट साथियों को करना होगी यदि प्रदेश में कहीं भी बिना फार्मासिस्ट के दवाई किसी भी दवा वितरण केन्द्र पर वितरित होती है तो संगठन के पदाधिकारियों को सूचित करें ताकि उपरोक्त विषय पर कार्यवाही करवाई जा सके।

कार्यक्रम की अगली बेला में संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री श्री प्रशांत सिंह हाडा ने संगठन के विस्तार से संबंधित कार्य योजना के बारे में जानकारी दी साथ ही तीन संभागीय अध्यक्षों की घोषणा की गई। इंदौर संभाग अध्यक्ष श्री गिरिराज सिंह झाला, शहडोल संभाग अध्यक्ष श्री विनय चतुर्वेदी एवं मंडला संभाग अध्यक्ष श्री मयंक जायसवाल बने। भोपाल के श्री जितेन्द्र त्रिपाठी को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। कटनी जिला अध्यक्ष कपिल देव गुप्ता को बनाया गया। संगठन के प्रदेश सचिव श्री दीपक मिश्रा ने सभी फार्मासिस्ट साथियों को संबोधित करते हुए संगठन की उपलब्धि संबंधित जानकारी प्रेषित की, इसके साथ ही पूरे प्रदेश के फार्मासिस्ट साथियों को संदेश जारी करते हुए कहा कि सभी फार्मासिस्ट आम जनता को दवाई वितरण करते समय दवाओं के अच्छे और बुरे परिणाम की जानकारी जरूर देवे साथ में उन्हें समझाए कि जो दवाएं उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है उन्हें कदापि न लें। अब आम जनता को स्वयं जागरूक होने की आवश्यकता है या फार्मासिस्ट साथियों का सहयोग लें। जहां भी दवाई खरीदें वहाँ फार्मासिस्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करें और बिना फार्मासिस्ट से सलाह लिए दवाई लेने से बचें। एम पी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित सिंह ठाकुर ने संगठन की रीति नीति की जानकारी देते हुए दस महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से जानकारी दी साथ ही कहा कि जल्द ही फार्मेसी काउंसिल में नियमानुसार चुनाव करवाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएंगे और पूरे प्रदेश भर में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश के ऐसे महान फार्मासिस्ट जिन्होंने संघर्षों का सामना करते हुए फार्मेसी के क्षेत्र में नाम रोशन किया या कर रहे हैं उन्हें टीम बना कर खोजा जायेगा और प्रदेश के फार्मेसी रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आई टी सोशल मीडिया प्रदेश अध्यक्ष राजवीर त्यागी ने सभी को सोशल मीडिया की जानकारी दी और सभी को जिला स्तर पर टीम गठित करने की सलाह दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्यों हेतु जिला उमरिया जिला सतना और जिला मंडला को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर प्रदेश सह सचिव एवं आर टी आई प्रमुख श्री अनिल बघन एवं उमरिया जिला अध्यक्ष अनुराग तिवारी विदिशा जिला अध्यक्ष गगन शर्मा बुरहानपुर जिला अध्यक्ष शैलेश पाटिल मंडला जिला अध्यक्ष अभिषेक झरिया सीधी जिला अध्यक्ष मनोज सिंह शहडोल जिला अध्यक्ष सतेंद्र शर्मा रीवा से जिला संगठन मंत्री अतुल उपाध्याय के साथ सैकड़ों फार्मासिस्ट उपस्थित रहें कार्यक्रम में उपस्थित सभी फार्मासिस्टों का आभार प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुधांशु मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया।उपरोक्त जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री राजवीर त्यागी ने दी।

धुंधड़का, बूढ़ा, पिपलियामंडी व मल्हारगढ़ मंडल की बैठक संपन्न

मंदसौर/नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कार्यकर्ताओं को अपनी पूरी ऊर्जा के साथ बूथ को जिताना है। क्योंकि बूथ जीता तो चुनाव जीता इस लक्ष्य को लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता को कार्य करना है। उक्त बात मंदसौर लोकसभा क्षेत्र भाजपा प्रत्याशी सांसद सुधीर गुप्ता ने मल्हारगढ़ विधानसभा के धुंधडका, बूढ़ा, पिपलियामंडी व मल्हारगढ़ मंडल की बैठक के दौरान कही। सोमवार को लोकसभा चुनाव को लेकर धुंधडका, बूढ़ा, पिपलियामंडी व मल्हारगढ़ मंडल की बैठक संपन्न हुई। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में श्री गुप्ता ने कहा कि 10 वर्षों में मोदी सरकार ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किया है। जिसका लाभ हर क्षेत्र व हर वर्ग को मिल रहा है। सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी मिले इसके लिए क्षेत्र में बडी-बडी सिंचाई योजनाओं पर कार्य हुआ है। सम्मान निधि के पैसा किसानों के खातों में पहुंच रहा है। तो वही प्रधानमंत्री आवास, उज्वला, नल जल योजना से महिलाओं को लाभ मिला।उन्होने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। बैठक को संबोधित करते हुए सभी मंडल अध्यक्षों ने हर बूथ पर भाजपा को विजयी बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हर बूथ पर भाजपा की जीत होगी। सभी को अपने-अपने दायित्व सौंप दिए गए है। प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी तरह से जुट जाएं और भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को विजयी बनाकर एक बार फिर देश में मोदी सरकार बनानी है ताकि देश और संसदीय क्षेत्र में विकास का चक्र निरंतर चलता रहे। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश नामदेव, मंडल प्रभारी पारस मावर, मंडल प्रभारी नरेंद्र पाटीदार, मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र जाट, जीवन शर्मा, राजेंद्रसिंह राणा, सामंतसिंह, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा देवरिया, जनपद अध्यक्ष कन्हैयालाल पाटीदार, जनपद उपाध्यक्ष फकीरचंद धनगर एवं अन्य वरिष्ठपार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मतदान हेतु कामगारों को विशेष अवकाश की सुविधा

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में मताधिकार उपयोग सुविधाजनक एवं निर्बाध रुप से सुनिश्चित करने की दृष्टिसे मतदान दिवस को मतदान हेतु जिले की समस्त विधानसभा क्षेत्र में आने वाले समस्त कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम, दुकानों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं के नियोजक तथा प्रबंधन स्थापना में नियोजित प्रत्येक कामगारों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान करने का आदेश जारी किए गए है। जिससे कि कामगार अपने मताधिकार का उपयोग सुविधाजनक एवं निर्बाध रुप से कर सकें।

यदि कोई व्यवसाय स्वामी (नियोक्ता) उपर्युक्त आदेश का उल्लंघन करता है, तो उसे जुर्माने के दण्ड से दण्डित किया जायेगा, जो रूपये 500/-तक बढाया जा सकेगा। परन्तु यह ऐसे मतदाताओं पर लागू नहीं होगा, जिनकी कर्तव्या से अनुउपस्थिति के कारण गंभीर क्षति होने की संभावना हो। यदि कोई मतदाता अपने विधानसभा क्षेत्र से बाहर रोजगाररत है, तो उनके लिए भी उक्त धारा के प्रावधान लागू होंगे।

रैली निकालने के बाद सड़कों पर पानी के पाउच व डिस्पोजल फेंककर गंदगी करने वालों पर प्रशासन अर्थदण्ड लगाए

गायत्री परिवार व वर्क संस्था ने नाहर सैय्यद तालाब व घाट पर सफाई अभियान चलाया

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार द्वारा शिवना तट पर घाटों की सफाई, तेलिया तालाब व नाहर सैय्यद तालाब व बावड़ियों की सफाई का अभियान चला रखा है। अगर जल के स्त्रोत गंदे होगी तो हम को बीमारी का सामना करना पड़ेगा। गंदा पानी हमें पीने को विवश होना पड़ेगा। इसके बचाव हेतु प्रशासन को ठोस कदम उठाना चाहिये। गंदगी करने वालों पर अर्थदंड का प्रावधान होना चाहिए जो आज मानक गंदगी अधिक करने में लग गया है। सफाई के नाम से शून्य है।

गायत्री परिवार के श्रमदानियों ने कहा कि आज सड़कों पर रैली निकाल कर पानी पाउच व स्वल्पाहार करके डिस्पोजल रोड़ पर ही फेक देना आम बात हो गई है। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करने वालों पर प्रशासन को अर्थदण्ड करना ही चाहिये। जन अभियान चलाएंगे तो ही सफाई अभियान सफल हो पायेगा। नहीं तो गंदगी करने वाला गंदगी करता रहेगा। सफाई करने वाला सफाई करता रहगा। कुछ भी नहीं होगा। स्वच्छता प्रभारी कन्हैयालाल सोनी ने कहा कि मैं आठ साल से तेलिया तालाब पर सफाई अभियान व पेड़ पौधा लगा रहा हूँ। वहां पर भी गंदगी है हर जगह डस्टबिन लगा देना चाहिये जिससे गंदगी कम हो। फिरोज हुसैन ने कहा कि गंदगी करना हमारे लिये पाप है के समापन हैं। गायत्री परिवार के अभियान से जुड़कर वर्क सेवा संस्था भी स्वच्छता का कार्य कर रही है। स्वस्थ रहने के लिये शुद्ध हवा आवश्यक है और उसके लिये हमें वातावरण को साफ व स्वच्छ रखना पड़ेगा। योगेशसिंह सोम ने कहा कि गायत्री परिवार के इस अभियान को जल अभियान बनाना होगा। शासन प्रशासन को भी अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी तभी मंदसौर शहर सफाई के मामले में इंदौर के साथ खड़ा होगा। हमें भी शुद्ध जल, शुद्ध हवा मिल सकेगी। सफाई अभियान में अब्दुल कादर मंसूरी एडवोकेट, फिरोज हुसैन, शाहीद शाह, अजेर मंसूरी, जाफर मंसूरी, योगेशसिह सोम, हरीश, कन्हैयालाल शर्मा, रमेश सोनी, आरिफ, अफजल, अशोक धनोतिया, सिकंदर, साहिल खान, मोहक रमजानी आदि उपस्थित रहे।

एडीएम सुश्री लक्ष्मी गामड़ ने किया कार्यालयों का निरीक्षण

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नवागत एडीएम सुश्री लक्ष्मी गामड़ ने कलेक्टोरेट स्थित विभिन्नी विभागों के कार्यालयों का निरीक्षण कर, जायजा लिया। एडीएम सुश्री गामड़ ने पुरानी तहसील कार्यालय नीमच के रिक्ता विभिन्नण कक्षों का निरीक्षण कर नवागत अधिकारियों के लिए कक्षों के आवंटन के लिए कक्षों का अवलोकन किया।एडीएम ने कलेक्टंर कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण कर अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा सम्पामदित कार्यो की जानकारी ली। इस दौरान संयुक्तय कलेक्टनर श्री राजेशशाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

साढे 5 माह पूर्व चोरी हुए साउंड सिस्टम, चोर वापस मंदिर में रख गए !

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। साढे पांच माह पूर्व मंदिर से चोरी गए सांउड सिस्टम चोर बीती रात पुन: मंदिर में रख गए। जिसे पुलिस ने बरामद किया। जानकारी के अनुसार पिपलिया पुलिस थाने से 100 मीटर दूरी पर पिपलियापंथ में स्थित बालाजी मंदिर से साढे पांच माह पूर्व 1 लाख रुपए कीमती साउण्ड सिस्टम चोरी हो गया था। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। इस बीच रविवार रात्रि चोर साउंड सिस्टम पुन: मंदिर में रख गए। सोमवार सुबह जब मंदिर में पुन: सांउड सिस्टम पड़े हुए दिखाई दिए तो पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने साउंड सिस्टम बरामद किए।

योग शिविर कल पिपलिया में

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। योग से निरोग की थीम पर योग शिविर का आयोजन 20 मार्च को पिपलिया में आरंभ होगा। आरोग्य भारती के जिलाध्यक्ष अशोक कुमठ ने बताया बढते तनाव, अवसाद के कारण रोगों का जन्म होता है, योग से छुटकारा कैसे मिले, हम स्वस्थ रहे, तन से भी मन से भी। इसी धारणा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए पिपलिया गीताजंलि होटल बायपास मार्ग पिपलिया में योग शिविर का आयोजन होगा। आरोग्य भारती के प्रान्त प्रमुख्य डॉ. विष्णु सेन कछावा शुभारंभ करेगें। श्रीमती बन्टू भूत प्रशिक्षित करेगी।

विश्वास दुबे विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जनप्रिय विधायक श्री विपिन जैन ने सामाजिक कार्यकर्ता एवं आरटीआई विभाग के जिलाध्यक्ष श्री विश्वास दुबे को शासकिय लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय मंदसौर में विधायक प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया है।

विधायक श्री विपिन जैन ने श्री विश्वास दुबे की नियुक्ति करते हुये संगीत महाविद्यालय की प्रशासकिय समिति में सदस्य मनोनीत करते हुये समय-समय पर संगीत हाविद्यालय में होने वाली प्रशासकिय बैठको एवं आयोजनो हेतु अपना प्रतिनिधि बनाया है। श्री दुबे की नियुक्ति पर जिला कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी, अजा विभाग जिलाध्यक्ष श्री संदीप सलोद, सेवादल जिलाध्यक्ष श्री दिलीप देवडा, आदीवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष श्री रमेश सिंगार, जिला कांग्रेस सांस्कृतिक विभाग के अध्यक्ष श्री कमलेश जैन, जिला कांग्रेस असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष श्री मुकेश यादव, फिशर मेन कांग्रेस के जिलाध्यक्ष श्री जितेन्द्र डोडिया, सिंधी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश मनवानी, सिलाई कला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्री दिनेश टेलर आदी ने श्री विश्वास दुबे को शुभकामनाये देते हुये विधायक श्री विपिन जैन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

तीन बस एवं तीन भूसे के ट्रक को जप्त किया

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला परिवहन अधिकारी श्री विजेंद्र यादव द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग ने तीन बस एवं तीन भूसे के ट्रक को जप्त कर आरटीओ कार्यालय में खडा किया है। जिसमें से एक बस जिस पर 1 लाख 70 हजार रुपए का टैक्स बकाया था। वही दो बस बिना परमिट से चल रही थी। इसके साथ ही तीन ट्रक जो की भूसा भर कर जा रहे थे। जबकि भूसे पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इनके विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जाएगी।

घर-घर जाकर मतदान के लिए किया जागरूक

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोन के तहत जिले में स्वीप गतिविधियों का संचालन जोरो से चल रहा हैं जिसके के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किये जाने हेतु जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए घर-घर जाकर जागरूकता किया जा रहा है। साथ ही सभी लोग आपस में जागरूक हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी मतदान के लिये अपील कर रहें हैं।

कुमावत प्रीमियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट का हुआ समापन

16 टीमों ने लिया भाग, निम्बाहेड़ा क्रिकेट टीम ने जीता फाइनल मैच

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री क्षत्रिय कुमावत समाज द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कुमावत प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता सुरेन्द्र कुमावत ने कहा कि मंदसौर नगर में समाज के युवाओं ने पहली बार क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन किया है। ऐसी खेल प्रतियोगिताओं से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलता है।

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कुमावत प्रीमियर लीग में मंदसौर, रतलाम, निम्बाहेडा, नरायणी राजस्थान आदि क्षेत्र से करीब 16 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला निम्बाहेडा एवं नरायणी टीम के मध्य खेला गया। जिसमें निम्बाहेडा टीम विजेता एवं नरायणी की टीम उप विजेता रही। नगर के पशुपतिनाथ मेला ग्राउंड पर आयोजित पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर सुरेन्द्र कुमावत, कन्हैयालाल कांजी पटेल, डॉ. कमलेश कुमावत, सुनील कुमावत, गोवरधन कुमावत पार्षद, जगदीश कुमावत, बलराम कुमावत पटेल, उंकारलाल कुमावत, विजय कुमावत सहित अतिथियों ने टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। अतिथियों के द्वारा विजेता टीम को ट्राफी प्रदान कर खिलाड्यिों का उत्सावर्धन किया। समारोह में कुमावत प्रीमियर लीग के आयोजक श्री क्षत्रीय कुमावत समाज के पदाधिकारी नितेश कुमावत, अक्की कुमावत, गोलु कुमावत, पवन कुमावत, विपुल टांक, अंकित कुमावत, विष्णु काका कुमावत, नरेन्द्र कुमावत, गणपत कुमावत, तुलसीराम कुमावत आदि ने अतिथियों का उपरना ओढाकर स्वागत किया।

आचार्य चयन परीक्षा का साक्षात्कार सम्पन्न

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग मंदसौर पर विद्या भारती की योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष होने वाले आचार्य चयन परीक्षा के द्वितीय चरण साक्षात्कार का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत मंदसौर शहर के विद्वतजनों व समिति परिवार द्वारा लिखित परीक्षा में चयनित परीक्षार्थियों का डेमो व उनके विषय ज्ञान के आधार पर साक्षात्कार लिया गया।

इस अवसर पर भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री अशोक पारीक, समिति सहसचिव व सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री राजदीप परवाल, समिति सदस्य श्रीमती रेखा कुमावत, प्राचार्य डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड़, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद शाखा मंदसौर के निर्वाचन सम्पन्न

अध्यक्ष-अजय शर्मा, सचिव-डॉ. आशीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष-डॉ. नवीन चौधरी मनोनीत

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद मध्यभारत पश्चिम प्रांत की शाखा मंदसौर की वर्ष 2023-24 की वार्षिक बैठक एवं शाखा के निर्वाचन रविवार को सम्पन्न हुवे प्रांत द्वारा निर्धारित निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश दानगढ, शामगढ़, विशेष आमंत्रित श्री प्रमोद गुजराती, पूर्व अध्यक्ष शामगढ़, श्री घनश्याम पोरवाल, प्रांतीय महासचिव, शाखा के वरिष्ठ डॉ. क्षितिज पुरोहित, पूर्व अध्यक्ष श्री मनोज मेहता एवं शाखा सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। प्रारंभ में मंचासिन अतिथियों ने दीप प्रज्वलन, वंदेमातरम् व अतिथि सत्कार के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

स्वागत उद्बोधन शाखा अध्यक्ष श्री अजय शर्मा ने तथा वार्षिक प्रतिवेदन शाखा सचिव डॉ. आशीष अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अतिथि व निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश दानगढ़ ने भारत विकास परिषद की कार्यशैली को समझने व उसके अनुरूप कार्य करने को कहा, परिषद से जुड़ने का मुख्य उद्देश सेवा है। और कहा कि पुराने सदस्यों से संपर्क कर उन्हें पुन: परिषद से जोड़ने का आग्रह किया। केन्द्रीय कार्यालय द्वारा निर्धारित निर्वाचन संबंधी नियम व जानकारी प्रदान कर निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण की गई। जिसमें सर्वानुमति से अध्यक्ष पद हेतु अजय जी शर्मा, सचिव पद हेतु डॉ. आशीष जी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद हेतु डॉ. नवीन जी चौधरी को नवीन सत्र 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित नवीन सदस्यों का सम्मान कर उन्हें परिषद परिवार में सम्मिलित किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष अजय जी शर्मा ने अपनी अभिलाषा व्यक्त कर कहा की मन्दसौर

शाखा इस वर्ष 1 या 2 सेवा के स्थाई प्रकल्प नगर में संचालित करेगी, और नगर में सेवा के क्षैत्र में कार्य करने वाले अधिक से अधिक महानुभावों को भारत विकास परिषद की सदस्यता प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीयता के इस सेवा प्रकल्प से जोड़ेगी। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रांतीय पदाधिकारी देवेन्द्र जी मरच्या द्वारा किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित कर स्वागत किया गया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	18	2250	2358
उडद	2	6100	6100
सोयाबीन	3424	3050	4701
गैहु	10800	2305	2715
चना	1553	4201	5621
मसुर	2191	5000	5901
धनिया	450	5840	8001
लहसुन	25700	4000	12500
मैथी	2000	4800	6600
अलसी	1061	4900	5360
सरसो	984	4600	4961
तारामीरा	8	4599	4681
इसबगोल	33	10000	15426
प्याज	375	700	1800
कलोंजी	7	16600	19099
डॉलर	6	7738	7821
तिल्ली	1	10700	12801
मटरसुखी	4	3001	5201
असालीया	320	6500	7165

जनसुनवाई स्थगित

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। अत: जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच सहित विभिन्न कार्यालयों में मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई आगामी आदेश तक स्थगित रहेगी। डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत आचार संहिता प्रभावशील रहने के दिनांक तक जनसुनवाई स्थगित रहेगी।

मदिरा दुकाने 25 को बंद रखने का आदेश

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टेर श्री दिनेश द्वारा म.प्र आबकारी अधिनियम 1915 के तहत 25 मार्च 2024 को होली (धुलेण्डी) का त्यौहार होने के कारण शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने एवं प्रशासकीय लोकहित में नीमच जिले में स्थित समस्त कंपोजिट मदिरा दुकानो, एफ.एल-2 रेस्तरां बार, एफ.एल.-6 थोक सैनिक कैंटीन एवं एफ.एल.7 फुटकर सैनिक केंटिन को 25 मार्च 2024 को दोपहर 2 बजे तक के लिये बंद रखने का आदेश दिया गया है। उक्त अवधि में मंदिरा का विक्रय परिवहन संग्रहण प्रतिबंधित किया गया है। अत: उक्त आदेश का कडाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण कर कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को जायजा लिया। कलेक्टर ने शासकीय कन्य् उ.मा.विद्यालय नीमच नगर पर स्थित मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण कर मूल्यांकन कर्ताओं द्वारा किए जा रहे, मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया और उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री जैन ने कहा, कि बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में पूरी सावधानी रखी जाए। गोपनीयता का विशेष ध्यान रखें और पूरी निष्पक्षता के साथ मूल्यांकन कार्य किया जाए। मूल्यांकन कार्य में माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशों का अक्षरश: पालन सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद व अन्यस अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर सीआरपीएफ में हुआ आयोजन

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रत्येक वर्ष अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भारत समेत दुनिया भर के देशों में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिला दिवस 8 मार्च को मनाने की एक खास वजह है, अमेरिका में कामकाजी महिलाओं ने 8 मार्च को अपने अधिकारों को लेकर आंदोलन करते हुए मार्च निकाला था। जिसके बाद सोशलिस्ट पार्टी ने इस दिन महिला दिवस मनाने का ऐलान किया।इसी कड़ी में, सीटीसी नीमच केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं प्रसन्नचित ध्यान से जुड़ी नीमच शहर की महिलाओं द्वारा, सीटीसी नीमच के प्रांगण में 114 वां अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 12/03/2024 से 17/03/2024 तक मनाया गया।अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीआरपीएफ सीटीसी कीश्रीमती रजनी दत्ता, पत्नी संदीप दत्ता, आई.जी/ प्राचार्य सीटीसी नीमच, श्रीमती दीपालीहार्टफुलनेस मेडिटेशन टीचर, श्रीमती मंजू यादव पत्नी कमांडेण्ट सीटीसी,श्रीमती रितु जैन,पत्नी सीएमओ, सीएच नीमच, हार्टफुलनेस मेडिटेशन से जुड़ी नीमच शहर की गणमान्य महिलायें, श्रीमती चारूलता चौबे, सिस्टर जया,स्वाती चोपडा,शबनम खान, सूरज देवी गटटानी, प्रियंका कविश्वर, तथा श्रीमती मीना दत्ता, एंव सभी सीनियर लेडी वाईफ ने इस अवसर पर सीटीसी, नीमच में आयोजित हार्टफुलनेस मेडिटेशन,खेल तथा रात्रि भोजन प्रोग्राम में हिस्सा लिया।श्रीमती रजनी दत्ता ने अपने सम्बोधन में बताया कि सभी महिलाए सदैव नारी सशक्तिकरण हेतु अपनी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए हार्टफुलनेस मेडिटेशन को करते हुए, अपने घर एवं अपने आसपास के क्षेत्र में महिलाओं का सहयोग करती रहेगी तथा सभी महिलाओं के आत्मबल को सुदृड करने में रचनात्मक भूमिका निभायेंगे।

गर्मी से राहत दिलाने वाला नींबू खा रहा भाव

[कोल्ड स्टोरेज के नींबू 200 रुपए किलो]

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। गरमी का सीजन अभी ठीक से शुरु हुआ भी नहीं है कि ठंडे पेय में इस्तेमाल होने वाले नींबू के दाम आसमान पर पहुंच चुके हैं। गरमी के दिनों में नींबू की खपत वैसे ही काफी ज्यादा हो जाती है। ऐसे में अगर कुछ दिन ओर हालात यही रहे तो आने वाले दिनों में आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खासतौर पर गर्मियों में नींबू की खपत काफी अधिक हो जाती है। फिर भले ही वो खाने में सलाद के तौर पर खाया जाए या गरमी से बचने के लिए शिकंजी के तौर पर उसका रस बनाया जाए। फिलहाल की स्थिति में नींबू अभी से गरमी खा रहा है। गर्मियां शुरू होने से पहले ही नींबू के दाम आसमान पर हैं। नीलामी के बाजार में ही इसकी कीमत दो सौ रुपए किलो है। अगर आम जनता दुकानदारों से सिर्फ 1 नींबू की मांग करें तो सिर्फ एक नींबू 10 से 15 रुपए तक में मिल रहा है। ऐसे में गरमी शुरू होने से पहले ही नींबू खरीदने वाली आम जनता का बुरा हाल हो जाएगा।

दामों में और होगी बढ़ोतरी...

जानकारों के अनुसार, आने वाले महीनो में नींबू के दामों में एक बार फिर बढ़त होने की संभावना है। ऐसे में दुकानों पर नींबू खरीदने पहुंची आम जनता का कहना था कि वो नींबू लेने से बच रहे हैं, क्योंकि मार्च के महीने में ही नींबू के दाम दो सौ प्रति किलो मिल रहे हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि गर्मी में खपत और बढ़ जाएगी। जिससे भाव बढना तय है।

एक्शन में चुनाव आयोग

बंगाल के डीजीपी समेत यूपी-गुजरात समेत 6 राज्यों के होम सेक्रेटरी को हटाने का आदेश

नई दिल्ली, 18 मार्च। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले 6 राज्यों के गृह सचिवों समेत बंगाल के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को हटाया।भारत निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गृह सचिव को हटाने के आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा उन्होंने मिजोरम और हिमाचल प्रदेश में सामान्य प्रशासनिक विभाग के सचिव को भी हटा दिया है। वहीं सूत्रों के मुताबिक चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को हटाने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की है।

अज्ञात व्यक्ति ने लगाई कार में आग, प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के कोतवाली थाना क्षेत्र के जीवागंज क्षेत्र में घर के बाहर खडी एक कार के पिछले हिस्से में आग की लपटे उठती देख पडोसी ने कार मालिक को सूचना दी। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने कार के पिछले हिस्से में आग लगाई है। घटना सुबह 5 बजे की बताई जा रही है। मामले में कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार कुटिया वाली गली में घर के बाहर खडी (टीयूवी 300) कार (एमपी 09 सीएक्स167) के पिछले हिस्से में आग की लपटे उठती देख पडोसी ने इसकी सूचना दी थी। आशंका है की किसी अज्ञात बदमाश ने कार में आग लगाई है। कार मालिक पंकज इंदौरा ने इसकी शिकायत शहर कोतवाली थाने में की है। मामले में कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्रसिंह राठौर ने बताया कि शहर के जीवा गंज क्षेत्र के कुटिया वाली गली में घर के बाहर खडी टीयूवी 300 कार के पिछले हिस्से में आगजनी की घटना सामने आई हैं। फरियादी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है। हमने एक टीम बनाई है जो कार में आगजनी की घटना की जाँच कर रही है।

दुर्घटना में हुई थी मौत, पिकअप ड्राइवर पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने लोडिंग पिकअप वाहन ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 11 मार्च 2024 को पिपलिया-मनासा मार्ग पर किशनगढ़ के निकट बाइक (एमपी 44 एमई 3420) पर सवार रामनगर (मनासा) निवासी सुभाष खाटवा व उनकी पत्नी अनिता उर्फ कविता को पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी थी। इसमें दोनों को नारायणगढ़ प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर रेफर किया था। जहां उपचार के बाद सुभाष की मौत हो गई थी, वहीं अनिता का उपचार जारी है। मामले की जांच नारायणगढ़ थाने के उप निरीक्षक राजाराम वर्मा ने की, इस आधार पर पुलिस ने टक्कर मारने वाले पिकअप (एमपी 44 जीए 0469) के ड्राइवर के खिलाफ रविवार को धारा 304 ए, 337, 279 में केस दर्ज किया।

एमडी ड्रग्स व अफीम के साथ पकडाया आरोपी रिमाण्ड पर

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने एमडी ड्रग्स व अफीम के साथ पिकअप ड्राइवर को गिरफ्तार किया। जिसे कोर्ट ने 2 दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा है। मामले में एक आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार मल्हारगढ़ पुलिस ने महू-नीमच मार्ग चंगेरी फन्टे पर चेकिंग के दौरान पिकअप (आरजे 35 जीए 1844) को रोका, तलाशी के दौरान ड्राइवर कच्ची बस्ती प्रतापगढ़ निवासी वाजिद उर्फ कालू (39) पिता नासिर खान के कब्जे से 55 ग्राम एमडी ड्रग्स व 500 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने पिकअप, ड्रग्स व अफीम जब्त कर वाजिद को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। मल्हारगढ़ टीआई राजेन्द पंवार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में पेश किया, जिसे 2 दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह उक्त मादक पदार्थ कच्ची बस्ती प्रतापगढ़ निवासी समीर पिता रशीद पठान से लाया था। पुलिस ने समीर के खिलाफ भी केस दर्ज किया है, जो फरार है।

सीपीएस पद्धति वाले अफीम काश्तकारो से अवैध वसुली-विधायक

विधायक विपिन जैन ने नारकोटिक्स अधिकारी को कड़ा विरोध दर्ज करवाया, अगर विभाग की भूमिका नही है तो सावर्जनिक विज्ञिप्ति या सूचना निकालकर अवैध वसुली रोके

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में अफीम काश्तकार अफीम खेती में व्यस्त है। अफीम फसल के परिपक्व हो जाने केउपरांत पारपंरिक खेती के अलावा सीपीएस पध्दति वाले अफीम काश्तकार भी नारकोटिक्स विभाग की निगरानी में डोडे एकत्रित करने की प्रक्रिया में लगा है किन्तु पिछले कई दिनो से मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामो के सीपीएस पध्दिति से खेती करने वाले अफीम काश्तकारो को अफीम मुखियाओ के माध्यम से लगभग सात हजार रूपये प्रति लायसेंस की दर से अवैध वसुली होने की शिकायत सामने आयी है। मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन को विभिन्न ग्रामो से प्राप्त शिकायतो के उपरांत उन्होनें नारकोटिक्स विभाग के जिला अधिकारी श्री अनिल कुमार जैन को प्राप्त शिकायतो पर कडा प्रतिरोध दर्ज करवाते हुये अफीम काश्तकारो से हो रही अवैध वसुली तत्काल रोके जाने को कहा।

विधायक श्री विपिन जैन ने नारकोटिक्स अधिकारी श्री जैन से दुरभाष पर अफीम काश्तकारो से प्राप्त शिकायतो को गंभीर बताते हुये कहा कि सीपीएस पध्दिति वाले अफीम काश्तकारो से सात-सात हजार रूपये की मांग आखिर क्यो की जा रही है। उन्होनें अफीम काश्तकारो से मुखियाओ के माध्यम से हो रही वसुली पर विभाग को फटकार लगाते हुये कहा कि अगर अफीम काश्तकारो से हो रही वसुली में विभाग का कोई लेना देना नही है तो विभाग संबंधित अफीम मुखियाओ के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करे। विधायक श्री जैन ने नारकोटिक्स अधिकारी को विभाग की ओर से किसी भी व्यक्ति या मुखिया को अवैध रूपये नही देने संबंधी सावर्जनिक विज्ञप्ति के साथ ही सावर्जनिक सूचना एवं मुनादी करवाने की मांग भी की ताकी समय रहते अवैध वसुली रोकी जा सके। विधायक श्री जैन ने तत्काल अफीम काश्तकारो से हो रही वसुली रोके जाने की मांग दोहराते हुये कहा कि अगर विभाग इस मामलें में गंभीरता नही दिखाता है तो आगामी दिनो में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में इसे बडा मुद्दा बनाते हुये जनता के बीच जायेगी।

आरटीई में चयनित बालिका के पिता से फीस के नाम पर मांगी राशि

सीएम हेल्पलाइन पर हुई शिकायत, स्कूल संचालक ने कहा गतिविधि का चार्ज लगता है, बीआरसी का कहना कोई चार्ज नही लगता

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आरटीई में चयनित बालिका के पिता को एडमिशन कराने के लिए स्कूल संचालक द्वारा फीस मांगने व विद्यालयीन गतिविधियों के लिए अलग से चार्ज लगने की बात कही। बालिका के पिता ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर व मल्हारगढ़ बीआरसी को की। जानकारी के अनुसार टीलाखेड़ा निवासी लोकेश माली ने बताया उनकी बेटी दैनिका, का आरटीई में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, पिपलिया के प्रेरणा स्कूल में चयन हुआ। लोकेश ने बताया कि मेरे पास प्रेरणा इंग्लिश एकेडमी स्कूल से मोबाइल पर कॉल आया। जब स्कूल गया तो वहां मौजूद स्कूल संचालक नरेन्द्र पाटीदार ने कहा कि आपने आरटीई में बालिका के चयन के लिए हमारे स्कूल का नाम लिखने से पहले हमसे क्यों नही पूछा ? हमारे स्कूल का अलग नियम है, आपका भले ही आरटीई में चयन हुआ हो, फिर भी आपको पांच हजार पांच सौ रुपए फीस देना पड़ेगी। इसके अलावा यूनीफार्म, कॉपी-किताबें, सांस्कृतिक गतिविधि, स्कूल बस किराया सहित अन्य एक्टिवी चार्ज अलग से रहेगा। हमने स्कूल बिल्डिंग किराए पर ले रखी है, इसका किराया कौन देगा ? लोकेश ने बताया कि जब स्कूल संचालक से कहा कि मैं मजदूरी करता हूं, इतनी राशि अभी एक साथ नही दे सकता। इसके बाद स्कूल संचालक ने कहा कि आप फीस नही दोगे तो एडमिशन नही होगा। इस पूरी बातचीत की रिकार्डिंग भी मोबाइल में सुरक्षित है। लोकेश ने बताया कि मैंने शिक्षा विभाग में भी शिकायत लेकिन कोई संतोषपद्र जवाब नही मिला, उसके बाद सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है।

इनका कहना:-

गतिविधियों का चार्ज लगता है:- स्कूल के संचालक नरेन्द्र पाटीदार का कहना है विद्यालय में होने वाली गतिविधियों चार्ज लगता है, फीस के लिए नही कहा था और मेरी एडमिशन को लेकर लोकेश से कोई बातचीत नही हुई है।

कोई चार्ज नही लगता है:- बीआरसी शिशिर विजयवर्गीय का कहना है आरटीई में चयनित विद्यार्थी के प्रवेश में अलग से कोई चार्ज नही लगता है। शिकायत की जांच कराएंगे और बालिका का नि:शुल्क एडमिशन कराएंगे।

रतलाम में ड्रग्स तस्करी, सराफा व्यापारी व हिस्ट्रीशिटर सहित चार गिरफ्तार

रतलाम, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में मादक पदार्थों र्की तस्करी करने व खरीदने वालों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत स्टेशन रोड पुलिस ने शहर के सराफा व्यापारी आरोपित आशीष सोनी व हिस्ट्रीशिटर सुनील सूर्या सहित चार युवकों को गिरफ्तार किया है। सराफा व्यापारी के पास से 30 ग्राम एमडी जब्त की गई है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है कि वे कब से एमडी के सेवन व व्यापार कर रहे थे और एमडी रतलाम में कहां से सप्लाई हो रही है।

पुलिस के अनुसार एसपी राहुल कुमार लोढा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार व सोमवार की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपित साराफा व्यापारी आशीष सोनी पुत्र सुशील सोनी निवासी चांदनी चौक मादक पदार्थ लेकर प्रतापनगर बायपास होकर भक्तन की बावड़ी वाले रोड से जा रहे था। सूचना पर एएसपी राकेश खाखा व सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे के मार्गदर्शन तथा स्टेशन रोड थाना प्रभारी दिनेश भोजक के नेतृत्व में टीम भक्तन की बावड़ी रोड पर पहुंची और घेराबंदी कर आशीष को हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी लेने पर उसके पास तीस ग्राम एमडी पाई गई। जावरा ले लाया था अन्य आरोपितों को देने के लिए एसपी राहुल कुमार लोढा के अनुसार पूछताछ में आरोपित आशीष सोनी ने बताया कि वह आरोपित सईद पुत्र फजल हुसैन निवासी हकीमवाड़ा, हनी शेख पुत्र जफर शेख निवासी नाहरपुरा, सुनिल सुर्या पुत्र इंदरमल जैन निवासी शास्त्री नगर को देने के लिए लाया था। इसके बाद सईद, हनी व सुनील को भी गिरफ्तार कर लिया गया। अरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/224 एवं 8/29 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।आरोपितों से पूछताछ की जा रही है कि रतलाम में एमडी की सप्लाई कौन कर रहा है और अन्य कौन लोग इसका विक्रय व सेवन करते है।

कोई भी किसान भ्रामक जानकारी या बहकावे में आकर पैसे नही दे

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने सीपीएस पद्धति के सभी अफीम किसानों से अपील जारी करते हुए कहा कि कोई भी किसान भाई किसी भी अधिकारी या मुखियों को किसी भी तरह का रिश्वत का लेन देन ना करें। उन्होने कहा कि विभाग को सिर्फ यह देखना है कि सीपीएस पद्धति के किसानों ने चीरा तो नही लगाया है इसके अलावा किसी तरह से मुखिया या किसी भी संबंधित द्वारा झूठा नियम बताकर या आश्वासन देकर रूपये की मांग की जाती है तो इसकी सूचना सांसद कार्यालय के नंबर या मेरे व्यक्तिगत मोबाइल पर तुरंत दे। सरकार ओर विभाग की सारी योजनाएं पूरी तरह पारदर्शी है। सांसद गुप्ता ने सभी अफीम किसानों से आग्रह किया कि केई भी किसान किसी प्रकार की भ्रामक जानकारी में ना आवे। इसी के साथ ही सांसद गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों से भी चर्चा करते हुए निर्देशित किया है कि किसी भी प्रकार से किसानों को परेशानी नही आये। साथ ही जो इस प्रकार का किसानों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे है उनके खिलाफ सख्त कारवाई की जाये।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

फ्लोरी ड्राइवर पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महिला की दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने फ्लोरी मशीन के ड्राइवर पर केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 16 मार्च को गांव गर्रावद में पुलिया निर्माण के दौरान मटेरियल मिलाने वाली फ्लोरी (मिक्सर) मशीन की टक्कर से यशोदाबाई पति प्रहलाद मेघवाल व रुकमणीबाई पति गोवर्धनलाल मेघवाल घायल हो गए थे, जिसमें यशोदाबाई की मौत हो गई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने मिक्सर (फ्लोरी) मशीन के ड्राइवर के खिलाफ रविवार को धारा 304 ए, 279, 337 में केस दर्ज किया।

मौलवी की बेईज्जती करने वाले तीन आरोपियों को 3 माह का कारावास

मनासा, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा मौलवी की बेईज्ज़ती करने से रोकने वाले फरियादी के साथ अश्लील गाली-गलौच करते हुवे मारपीट करके जान से मारने की धमकी देने वाले तीन आरोपीगण (01) अशफाक पिता अब्दुल करीम, उम्र-30 वर्ष, (02) निसार उर्फ भुरिया पिता अब्दुल करीम, उम्र-25 वर्ष एवं (03) असरफ पिता रफीक पठान, उम्र-25 वर्ष, तीनो निवासीगण-नुरी कॉलोनी, तहसील मनासा, जिला-नीमच को धारा 323/34, 294, 506(2) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03-03 माह के कारावास व कुल 600-600रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री अरविंद सिंह थापक द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 07 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 13 फरवरी 2017 की मनासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हिंगड़ दाल मिल के पास उषागंज कॉलोनी की हैं। फरियादी अब्दुल हयात घटना दिनांक को अतिक पठान के यहा निकाह में गया था, जहाँ पर दो मौलवियों को बुला लिया गया था, जिसमें से एक मौलवी समी हाफिज की आरोपीगण बैईज़्ती कर निकाह में से भगा रहे थें तो फरियादी उन्हें ऐसा करने से मना किया। इस बात पर से आरोपीगण द्वारा फरियादी को अश्लील गॉलिया दी गई तथा लात-घूंसो व तपेली से उसके साथ मारपीट करते हुवे उसको जान से मारने की धमकी दी गई। निकाह मे उपस्थित लोगो ने बीच-बचाव किया। फरियादी ने घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना मनासा में की गई, जिस पर से आरोपीगण के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध किये जाने के पश्चात् विवेचना के उपरांत अभियोग-पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी, चश्मदीद साक्षीगण सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री अरविंद सिंह थापक, एडीपीओ द्वारा की गई।

मप्र के सिविल अस्पताल और सीएचसी में भी डेंटल यूनिट बनाने की तैयारी

भोपाल, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों के अतिरिक्त चिन्हित सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी दांत के बड़े उपचार हो सकेंगे। यहां रूट कैनाल, जबड़े की सर्जरी, छोटे बच्चों के दातों का उपचार, दातों में फिलिंग का काम हो सकेगा। इसके लिए 40 करोड़ रुपये पिछले वर्ष स्वीकृत हुए थे, पर मप्र पब्लिक हेल्थ सप्लाई कारपोरेशन से उपकरण खरीदी की प्रक्रिया अब शुरू हो पाई है। यह उपकरण आने और स्थापित होने में तीन से चार माह लगेंगे। जिला अस्पतालों में तीन, सिविल अस्पतालों में दो और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक डेंटल चेयर स्थापित की जाएगी। सिर्फ उन्हीं अस्पतालों में यह सुविधा उपलब्ध होगी जहां दांत के स्थायी डाक्टर पदस्थ हैं। कुछ जिला अस्पतालों में अभी भी डैंटल यूनिट हैं, पर यहां सिर्फ दांतों के सफाई और संक्रमण के अतिरिक्त अन्य उपचार नहीं होते। कैनाल, अक्ल दाड की सर्जरी, पायरिया का उपचार, जबड़े की सर्जरी, दांतों का टेढ़ा होना, दांत की नसों का उपचार, दांत निकालना, पक्के दांत आने तक उसकी जगह सुरक्षित रखना, पस का उपचार, फिलिंग आदि। एक्सरे की सुविधा भी शुरू हो सकेगी। डेंटल चेयर, डेंटल एक्स-रे, रूट-कैनाल ट्रीटमेंट के लिए अपेक्स लोकेटर के साथ एंडो मोटर, अल्ट्रासोनिक क्लीनर, अल्ट्रासोनिक स्केलर आदि। भोपाल के जेपी अस्पताल में आदर्श यूनिट बनाई जाएगी।

किसान की मौत के मामले में ड्राइवर पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। किसान मौत के मामले में पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 28 फरवरी को फोरलेन पर पिपलिया में ओवरब्रिज के निकट (एमपी 13 जीबी 4302) की टक्कर से सनावदा (बडनगर) निवासी सुमेरसिंह घायल हो गया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने विवेचना के बाद रविवार को लोडिंग टेम्पो क्रमांक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया।

न्यायालय का आदेश नहीं मानने वाले आरोपी को 1 साल की सजा

मनासा, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान् सक्षम नरूला, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा सिविल प्रकरण में सुपुर्दगी पर दी जप्तशुदा मोटरसायकल को न्यायालय के आदेश के बावजूद भी न्यायालय में प्रस्तुत न कर न्यायालय का आदेश नहीं मानने वाले आरोपी इंदरमल पिता नग्गा जी बंजारा, उम्र-50 वर्ष, निवासी-ग्राम तलाऊ, तहसील मनासा, जिला नीमच को धारा 406 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के कारावास व 2000रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री रमेश नावड़े द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना वर्ष 2015 की हैं। आरोपी इंदरमल का मोहम्मद मुस्लिम के विरूद्ध मनासा न्यायालय में बजावरी प्रकरण लंबित था, जिसमें न्यायालय द्वारा आरोपी के विरूद्ध कुर्की वारण्ट जारी किया था, जिसके पालन में न्यायालय नाजीर द्वारा दिनांक 27 मार्च 2015 को आरोपी के घर से उसकी मोटरसायकल को जप्त किया गया था तथा उसको इस शर्त के साथ सुपुर्दगी पर दिया गया था, कि जब भी न्यायालय द्वारा आदेश दिया जायेगा वह मोटरसायकल को न्यायालय में प्रस्तुत करेगा। इसके उपरांत भी न्यायालय द्वारा आरोपी को मोटरसायकल को न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने का आदेश दिये जाने के पर भी आरोपी द्वारा मोटरसायकल को प्रस्तुत नहीं किया गया, जिस कारण आरोपी के विरूद्ध पुलिस थाना कुकडेश्वर में अमानत में खयानत करने की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई व विवेचना के उपरांत अभियोग-पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी, पंचसाक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री रमेश नावड़े, एडीपीओ द्वारा की गई।

✻ उठावना ✻

मेरे छोटे भाई, अर्जुन, राजेश के पिताजी, अर्जुन, योगेश के पिताजी, निलिख, खियांश के दादाजी केशुराम मालवीय का निधन हो गया है। उठावना 19 मार्च को प्रात: 11 बजे, निवास सदर बाजार गांव काचरिया चन्द्रावत, तहसील मल्हारगढ़ पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
बगदीराम मालवीय
काचरिया चन्द्रावत

पुराने
पंखे, कुलर व अलमारी पर
मन पसंद कलर करवाईयें
अजन्ता पेन्टर
अम्बेडकर चौराहा मंदसौर
7089832581

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

दिनांक 18.04.2024

सर्व-साधारण को इस जाहिर सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि, मेरा पुत्र शुभम भावसार पिता धर्मेन्द्र भावसार (जादव) निवासी लक्ष्मीनाथ मंदिर के पास, खानपूरा मंदसौर का होकर विगत 3 वर्षों से मुझसे अलग अन्य निवास करता है तथा आये दिन मेरे साथ गाली गलोच व लडाई झगडा करता है। मेरी पत्नि आशादेवी का भी स्वर्गवास पूर्व में हो चुका है। शुभम भावसार के द्वारा इस प्रकार मुझे परेशान करने व प्रताडित करने से मेरे द्वारा उसे घर से बेदखल कर दिया है।

अत: सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, कोई भी व्यक्ति शुभम पिता धर्मेन्द्र भावसार निवासी खानपूरा मंदसौर से किसी प्रकार का कोई संव्यवहार लेन देन, ऋण, अनुबंध या किसी भी प्रकार का संव्यवहार न करे, यदि किसी के द्वारा शुभम भावसार से किसी भी प्रकार का सव्यवहार किया जाता है तो वह मेरे उपर बंधनकारी नहीं होगा, व उससे कुछ हासिल नहीं होगा। अत: सूचित हो।

भवदीय-धर्मेन्द्र पिता स्व. रामबिलासजी भावसार
निवासी खानपूरा मंदसौर मोबाईल नंबर- 9713025957

कार्यालय नगर परिषद सुवासरा, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-669/2024 — सुवासरा, दिनांक-14.03.2024

✻✻✻✻ निविदा विज्ञप्ति ✻✻✻✻

नगर परिषद सुवासरा के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार दिनांक 09 अप्रेल 2024 से 17.04.2024 तक की अवधि में नगर परिषद सुवासरा मंडी में कृषि एवं पशु मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले की व्यवस्था हेतु निम्नवत ठेके दिये जा रहे है। इच्छुक सप्लायर्स/फर्म अपनी दरें बंद लिफाफे में दिनांक 22.03.2024 को दोपहर 03.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। भाव पत्र उसी दिनांक को दोपहर 04.00 बजे खोले जावेंगे।

क्रं.	विवरण	अनुमानित लागत/दर	अमानत राशि	ठेका अवधि
1	बिजली की व्यवस्था जनरेटर मय डीजल सहित, हेलोजन व्यवस्था व 5 चौराहों पर टॉवर लगाना (संपूर्ण मेला व्यवस्था हेतु) विद्युत की सम्पूर्ण व्यवस्था सहित।	98000/-	5000/-	दिनांक-07.04.2024 से 20.04.2024
2	पानी की व्यवस्था (सम्पूर्ण मेला हेतु)	45000/-	5000/-	दिनांक-07.04.2024 से 20.04.2024
3	टेन्ट की व्यवस्था फूल स्टेज ट्रेस, अतिथि रुम, स्टॉफ रुम, गेट ट्रेस व 500 कुर्सियों सहित	75000/-	5000/-	दिनांक-07.04.2024 से 20.04.2024
4	वीडियो ग्राफी एवं फोटोग्राफी (प्रोजेक्टर एवं ड्रोन कैमरा)	प्रति घंटे एवं प्रति नग	3000/-	दिनांक-07.04.2024 से 20.04.2024
5	स्टील बर्तन	प्रति किलो	3000/-	------
6	लाउड स्पीकर (मंच एवं अलाउंस) सम्पूर्ण मेला अवधि हेतु	सम्पूर्ण मेला अवधि	3000/-	दिनांक-07.04.2024 से 20.04.2024
7	मेला पोस्टर्स, मेला विज्ञप्ति दोनों साईड, बड़े पोस्टर्स एवं आमंत्रण कार्ड आवश्यकतानुसार	प्रति हजार के मान से	3000/-	------
8	फ्लेक्स एवं होर्डिग्स की दर प्रति फीट में (फ्लेक्स स्टार एवं होर्डिग्स लोहे ही रीप लगाकर तैयार कर देना होगा)	प्रति वर्गफीट	3000/-	------
9	सम्पूर्ण मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाना व कंट्रोल रुम स्थापित करना	90000/-	5000/-	दिनांक-09.04.2024 से 20.04.2024

शर्ते- 1. परिषद की नियम एवं शर्तों के अनुसार कार्य करना आवश्यक होगा। 2. कार्य का विस्तृत विवरण एवं आावश्यक दस्तावेज का विवरण कार्यालयीन समय में कार्यालय में देखी जा सकती है। 3. दरों में समस्त टैक्स (जी.एस.टी. सहित) एवं समस्त व्यय का स्पष्ट उल्लेख करें। 4. दर स्वीकृत या अस्वीकृत करने का समस्त अधिकार निकाय को सुरक्षित रहेंगे जिसका कारण बताया जाना आवश्यक नहीं होगा।

संजय राठौर
मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद सुवासरा

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडि्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in